इकाई-III

8. एक माँ की बेबसी

सोचिए-बोलिए

SCERT TELANGANA

प्रश्नः

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़की पहिया कुर्सी पर क्यों बैठी होगी?
3. लड़की के बारे में महिला क्या सोच रही होगी?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

(इस कविता को पढ़ते समय, आँखों के सामने कई चित्र बनते हैं । बचपन का चित्र, बचपन के खास समय-खेल और साथियों का चित्र, उन साथियों में एक खास साथी रतन का और एक माँ का चित्र । इसे पढ़ो और महसूस करो ।

कविता धीरे-धीरे पढ़ने की चीज़ है । उसे मन में उतरने में काफ़ी समय लगता है । कभी-कभी तो बरसों बाद हम बचपन की पढ़ी कविता पढ़ते हैं तो लगता है पहली बार पढ़ा है इसे। कविता पढ़ने के बाद मन के किसी कोने में घर बना लेती हैं । किसी मौके पर वह उभर आती है।

कविता, कहानी, सबके साथ यह होता है। इसलिए हमें इससे चिंतित होने की ज़रूरत नहीं कि कविता एक बार में पूरी तरह समझ में आ रही है या नहीं। अगर उससे सिर्फ़ एक चित्र ही उभरता है तो भी कविता कामयाब है।)

न जाने किस अदृश्य पड़ोस से
निकल कर आता था वह
खेलने हमारे साथ -
रतन, जो बोल नहीं सकता था
खेलता था हमारे साथ
एक टूटे खिलौने की तरह
देखने में हम बच्चों की ही तरह
था वह भी एक बच्चा।
लेकिन हम बच्चों के लिए अजूबा था
क्योंकि हमसे भिन्न था
थोड़ा घबराते भी थे हम उससे
क्योंकि समझ नहीं पाते थे
उसकी घबराहटों को,
न इशारों में कही उसकी बातों को,
न उसकी भयभीत आँखों में

SCERT TELANGANA

हर समय दिखती
उसके अंदर की छटपटाहटों को।
जितनी देर वह रहता

पास बैठी उसकी माँ
निहारती रहती उसका खेलना ।
अब जैसे-जैसे
कुछ बेहतर समझने लगा हूँ
उनकी भाषा जो बोल नहीं पाते हैं
याद आती
रतन से अधिक
उसकी माँ की आँखों में
झलकती उसकी बेबसी ।

कुँवर नारायण

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सुनिए-बोलिए

1. रतन किस विषय में दूसरों से भिन्न था?
2. चलने, सुनने और देखने में असमर्थ आदि विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को अपने जीवन में किस प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता होगा?
3. यदि सड़क पर चलते समय कोई विशेष आवश्यकता वाला व्यक्ति आपको मिल जाय, तो आप क्या करेंगे?

पढ़िए

1. यह बच्चा कवि के पड़ोस में रहता था, फिर भी कविता 'अदृश्य पड़ोस' से शुरू होती है। इसके कई अर्थ हो सकते हैं, जैसे -

   (क) कवि को मालूम नहीं था कि बच्चा ठीक-ठीक किस घर में रहता था।

   (ख) पड़ोस में रहने वाले बाकी बच्चे एक-दूसरे से बातें करते थे, पर यह बच्चा बोल नहीं पाता था, इसलिए पड़ोसी होने के बावजूद वह दूसरे बच्चों के लिए अनजाना था।

   इन दोनों में से कौन-सा अर्थ तुम्हें ज्यादा सही लगता है? क्या कोई और अर्थ भी हो सकता है ?

2. 'अंदर की छटपटाहट' उसकी आँखों में किस रूप में प्रकट होती थी।

   (अ) चमक के रूप में

   (आ) डर के रूप में

   (इ) जल्दी घर लौटने की इच्छा के रूप में

3. नीचे दिए गए भाव के अनुसार कविता की पंक्ति चुनकर लिखिए -

   (अ) वह हमारे लिए एक अजूबा था और हमसे भिन्न था।

   (आ) उसके इशारों, बातों और आँखों में हमेशा घबराहट दिखाई देती थी।

   (इ) जब तक वह रहता था तब तक उसकी माँ उसका खेल निहारती रहती थी।

4. दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द कविता में से सुनकर लिखिए।

(अ) कह -	(आ) अलग -
(इ) संकेत -	(ई) लड़का -
(उ) भीतर -	(ऊ) गायब -

SCERT TELANGANA

5. कविता ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(अ) 'थोड़ा घबराते भी थे हम उससे
क्योंकि समझ नहीं पाते थे'
रतन के बारे में कवि क्या नहीं समझ पाते थे?

(आ) रतन देखने में कैसा था ? वह बच्चों के लिए अजूबा क्यों था?

(इ) जब रतन खेल रहा होता था, तब उसकी माँ क्या करती थी?

लिखिए

1. 'लेकिन हम बच्चों के लिए अजूबा था' अजूबा क्या होता है? रतन के लिए यह शब्द क्यों कहा गया होगा?
2. जो बच्चा बोल नहीं सकता है, वह किस-किस बात की आशंका से घबराहट महसूस कर सकता है?
3. रतन की माँ की आँखों में बेबसी क्यों झलकती होगी?

शब्द भंडार

1. कवि ने बच्चे को टूटे खिलौने की तरह बताया है। जब कोई खिलौना टूट जाता है तो वह उस तरह से काम नहीं कर पाता जिस तरह से पहले करता था। संदर्भ के अनुसार निम्न तालिका की पूर्ति कीजिए।

खिलौना	टूटने का कारण	नतीजा
गाड़ी	पहिया निकल जाने पर	चल नहीं पाती
गुड़िया	सीटी निकल जाने पर	....
गेंद	....	....
जोकर	चाबी निकल जाने पर	....

SCERT TELANGANA

2. 'बेबस' शब्द 'बे' और 'वश' को जोड़कर बना है। यहाँ 'बे'का अर्थ 'बिना' है। नीचे दिए शब्दों में यही 'बे' छिपा है। इस सूची में कुछ और शब्द जोड़िए।

बेजान बेचैन ....

बेसहारा बेहिसाब ....

3. 'समझ नहीं पाते थे उसकी घबराहट को।' घबराहट शब्द 'घबराना' से बना है। इसी प्रकार के अन्य शब्द लिखिए ।

उदाः घबराना - घबराहट

(अ) रुकना - .... (आ) सजाना - ....

(इ) छटपटाना - .... (ई) मुस्कुराना - ....

4. अपने दोस्तों से पूछकर पता करें कि कौन क्या सोचकर और किस काम को करने से घबराता है । कारण भी पता कीजिए ।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

''याद आती रतन से अधिक
उसकी माँ की आँखों में झलकती उसकी बेबसी ''

1. रतन की माँ की आँखों में कैसी बेबसी दिखाई देती थी?

अपनी माँ के बारे में सोचते हुए नीचे लिखे वाक्य पूरे कीजिए ।

(अ) मेरी माँ बहुत खुश होती हैं जब ....

(आ) माँ मुझे इसलिए डाँटती हैं क्योंकि ....

(इ) मेरी माँ चाहती है कि मैं ....

(ई) माँ उस समय बहुत बेबस हो जाती है जब ....

(उ) मैं चाहती /चाहता हूँ कि मेरी माँ ....

SCERT TELANGANA

प्रशंसा

सड़क पर हुई एक दुर्घटना में एक लड़की ने दुर्घटनाग्रस्त आदमी को पहले अस्पताल पहुँचाया फिर उसके परिवार वालों को सूचित किया। लड़की के साहसिक कार्य के बारे में लिखिए।

भाषा की बात

1. नीचे आँखों से संबंधित कुछ मुहावरे दिए गये हैं। इन मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

- आँख दिखाना
- नज़र चुराना
- आँख का तारा
- नज़रें फेर लेना
- आँख पर पर्दा पड़ना

2. निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ अपनी मातृभाषा में लिखिए -

(अ) रतन, जो बोल नहीं सकता था
खेलता था हमारे साथ।

(आ) न उसकी भयभीत आँखों में,
हर समय दिखती,
उसकी अंदर की छटपटाहट को।

(इ) कुछ बेहतर समझने लगा हूँ,
उनकी भाषा को जो बोल नहीं पाते हैं।

3. निम्न वाक्यों को क्रम में लिखकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए ।

(अ) है खिलौना मेरा गया टूट ।

....

SCERT TELANGANA

(आ) बातें वह इशारों में अपनी था कहता ।

....

(इ) उसका माँ खेलना उसकी थी रहती निहारती।

....

परियोजना कार्य

किसी एक ऐसे विशेष आवश्यकता वाले व्यक्ति के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए जिन्होंने जीवन में हार नहीं मानी और उन्नति के शिखर पर जा पहुँचे। उनका चित्र कॉपी में चिपकाइए और जानकारी भी लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के साथ सुना सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

उपवाचक

नन्हा नटखट खरगोश

एक नन्हा-सा खरगोश घर छोड़कर भागना चाहता था। उसने अपनी माँ से कहा- मैं घर छोड़कर जा रहा हूँ।

उसकी माँ ने कहा- अगर तुम घर छोड़कर जाओगे तो मैं भी तुम्हारे पीछे-पीछे आऊँगी, क्योंकि तुम मेरे लाड़ले बेटे जो हो!

नन्हे खरगोश ने कहा-अगर तुम पीछे-पीछे आओगी तो मैं मछली बन जाऊँगा और नदी में तैरकर तुमसे दूर चला जाऊँगा।

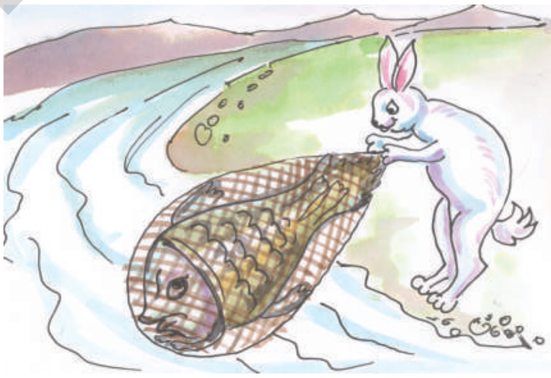

खरगोश की माँ ने कहा - अगर तुम मछली बनकर नदी में तैरोगे तो मैं मछुआरा बनकर जाल में तुम्हें पकड़ने आऊँगी।

नन्हे खरगोश ने कहा - अगर तुम मछुआरा बनोगी तो मैं फूल बनकर बाग में छिप जाऊँगा।

खरगोश की माँ ने कहा -
अगर तुम बाग में फूल बनकर छिपोगे तो मैं माली बनकर तुम्हें खोजूँगी।

SCERT TELANGANA

नन्हे खरगोश ने कहा- अगर तुम माली बनकर मुझे ढूँढ़ोगी तो मैं चिड़िया बनकर तुमसे बहुत दूर उड़ जाऊँगा।

खरगोश की माँ ने कहा - अगर तुम चिड़िया बनकर मुझसे दूर उड़ कर जाओगे तो मैं पेड़ बन जाऊँगी जहाँ तुम शाम को आकर सुस्ता सको।

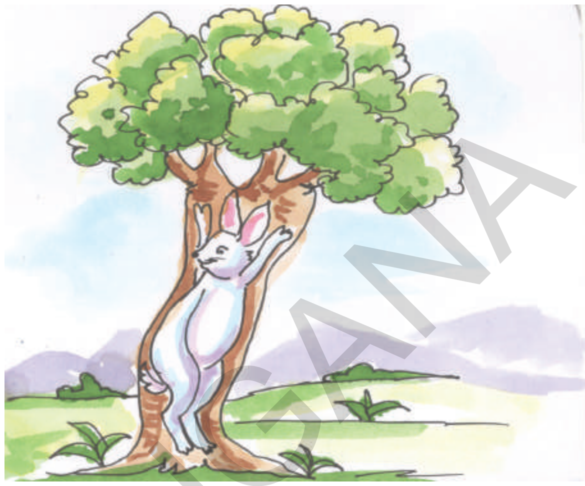

नन्हे खरगोश ने कहा- अगर तुम पेड़ बनोगी तो फिर मैं नाव बनकर तुमसे बहुत-बहुत दूर चला जाऊँगा ।

खरगोश की माँ ने कहा- अगर तुम नाव बनकर बहुत-बहुत दूर जाओगे तो मैं हवा का झोंका बन जाऊँगी । मैं अपनी मर्ज़ी से तुम्हें चाहूँ वहाँ बहा कर ले जाऊँगी।

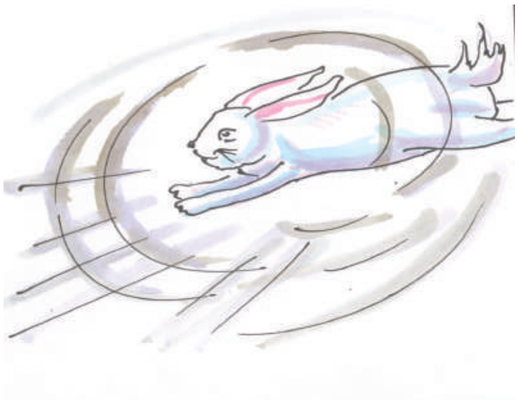

नन्हे खरगोश ने कहा - अगर तुम हवा बनकर मुझे बहा कर ले जाओगी तो मैं एक छोटा लड़का बनकर घर की ओर दौड़ लगाऊँगा ।

SCERT TELANGANA

खरगोश की माँ ने कहा- अगर तुम नन्हे लड़के जैसे घर की ओर दौड़ोगे तो मैं तुम्हारी माँ बनकर तुम्हें पकड़ूँगी और अपने गले से लगा लूँगी ।

नन्हे खरगोश ने कहा - इससे तो अच्छा होगा कि मैं आराम से अपनी माँ के साथ घर पर ही रहूँ।

सबसे अलग घर को पहचानिए

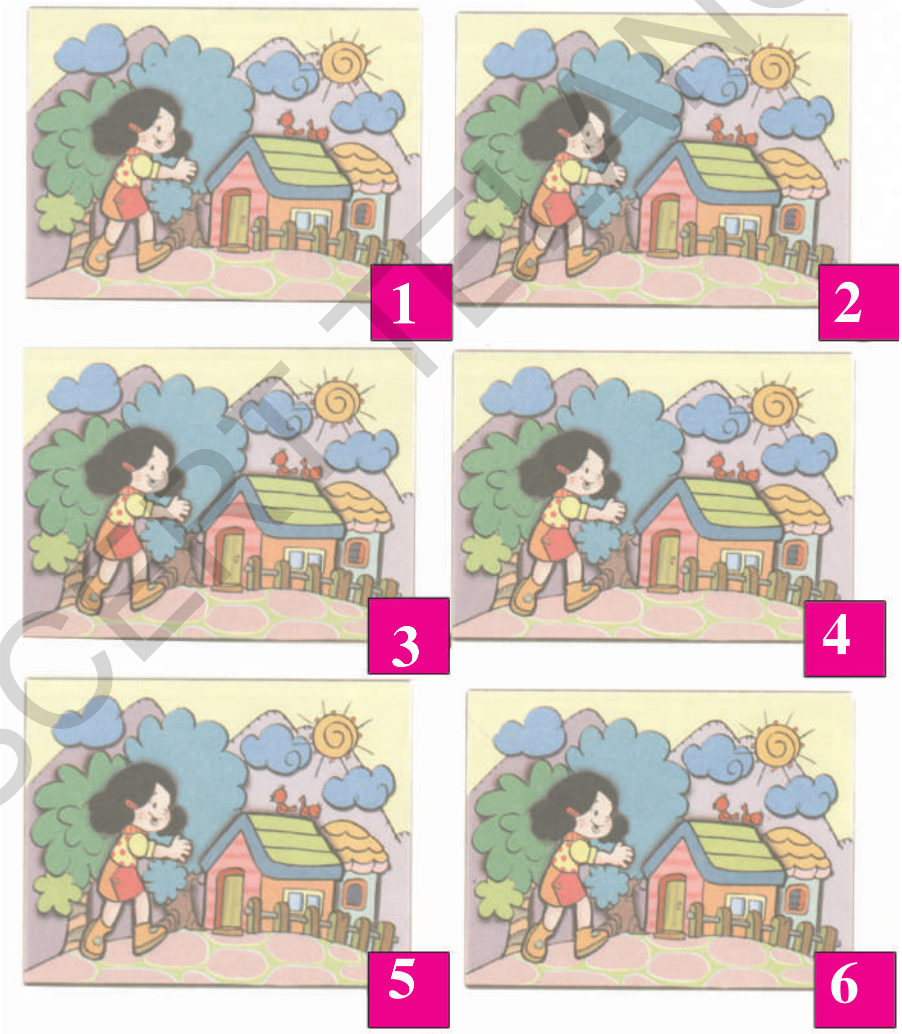

SCERT TELANGANA